नागरी बुलेटिन

त्रैमासिक ई-समाचार पत्रिका

अंक 04 (अक्टूबर – दिसंबर 2022)

देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

(संबद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

www.dnpgcollege.ac.in

संरक्षक

प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी (प्राचार्य)

संपादक

भवनीत सिंह बत्रा

संपादकीय सलाहकार

अतुल तोमर

डॉ विनीता गर्ग

डॉ महेंद्र कुमार

डॉ पुष्पेंद्र कुमार सिंह

डॉ अवधेश कुमार सिंह

पीयूष त्रिपाठी

हरिदत्त शर्मा

संदीप कुमार सिंह

डॉ विनय कुमार सिंह

नरेश कुमार

नवीन तोमर

कृष्ण कुमार

डॉ हरीश कसाना

शशि कपूर

श्याम प्रकाश

अमित कुमार

अंक 04 – अक्टूबर-दिसंबर, 2022

प्रकाशन की तिथि – 20 फरवरी 2023

नागरी बुलेटिन एक त्रैमासिक ई-समाचार पत्रिका है जिसे देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, जनपद बुलंदशहर द्वारा जारी किया जाता है।

© देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी 2022

सर्वाधिकार सुरक्षित।

नागरी बुलेटिन को https://dnpgcollege.ac.in/newsletter पर देखा जा सकता है।

INSTITUTIONAL HEAD

Shri Narendra Kumar

President, College Management Committee

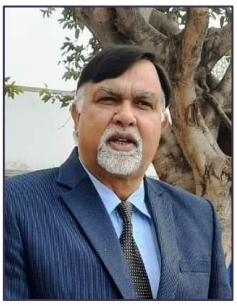

Prof. Yougesh Kumar Tyagi

Principal

COLLEGE FACULTY

Mr. Atul Tomar

Assistant Professor

Department of Mathematics

Dr. Vinita Garg

Assistant Professor

Department of Chemistry

Dr. Mahendra Kumar

Assistant Professor

Department of English

Dr. Pushpendra Kumar Mishra

Assistant Professor

Department of Political Science

Dr. Awadhesh Kumar Singh

Assistant Professor

Department of Physical Education

Mr. Peeyush Tripathi

Assistant Professor

Department of Political Science

Mr. Haridutt Sharma
Assistant Professor
Department of Sanskrit

Mr. Bhavnit Singh Batra
Assistant Professor
Department of Economics

Mr. Sandeep Kumar Singh
Assistant Professor
Department of Hindi

Dr. Vinay Kumar Singh
Assistant Professor
Department of Chemistry

Mr. Naresh Kumar
Assistant Professor
Department of Physics

Mr. Navin Tomar
Assistant Professor
Department of Physical Education

Mr. Krishna Kumar
Assistant Professor
Department of Sociology

Dr. Harish Kumar Kasana
Assistant Professor
Department of Hindi

Mr. Shashi Kapoor
Assistant Professor
Department of Sociology

Mr. Shyam Prakash
Assistant Professor
Department of Mathematics

Mr. Amit Kumar
Lecturer
M.A. Economics (Self-Finance)

समाचार

अक्टूबर

परिवहन विभाग, बुलंदशहर द्वारा सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में एक फिल्म का प्रदर्शन

दिनांक 10 अक्टूबर 2022 को परिवहन विभाग, बुलंदशहर द्वारा देवनागरी पीजी कॉलेज, गुलावठी, बुलंदशहर में सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में एक फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फ़िल्म में सड़क पर चलते हुए विभिन्न प्रकार के साइनबोर्ड जैसे स्कूल, ज़ेब्रा क्रासिंग, लेवल क्रॉसिंग, चौराहा, गोल चक्कर, गड्ढा, स्पीड ब्रेकर आदि चिह्नों के बारे में जानकारी दी गई। फ़िल्म में यह भी बताया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र में वाहन चलाना या गलत तरीके से वाहन चलाना दुर्घटना का कारण बन सकता है।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो0 योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है जिसके लिए यातायात के नियमों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय वैध ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, वाहन का बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र तथा फिटनेस प्रमाण पत्र साथ में होना आवश्यक है। इसके अलावा कार चलाते समय सीट बेल्ट तथा दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें।

पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि नशे की हालत तथा निर्धारित गति सीमा से अधिक वाहन चलाने से दुर्घटनाएं हो सकती हैं। अतुल तोमर ने वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करने तथा ओवरलोडिंग से बचने की की भी सलाह दी गई। डॉ महेंद्र कुमार ने कहा कि दुपहिया वाहन पर तीन या अधिक सवारी न करें।

शशि कपूर ने कहा कि किसी के घायल होने पर उसे तुरंत ही प्राथमिक चिकित्सा के लिए भर्ती कराया जाए। डॉ हरीश कसाना ने कहा कि सड़क पर गलत तरीके से ओवरटेकिंग न करें। नरेश कुमार ने कहा कि रात के समय डिपर का प्रयोग करें। डॉ विनीता ने कहा कि वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें।

इस अवसर पर हरिदत्त शर्मा, कृष्ण कुमार, श्याम प्रकाश, अमित कुमार, भूपेंद्र कुमार, अंकित गोयल, रवींद्र सिंह, सुनील शर्मा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

दिनांक 31 अक्टूबर 2022 को देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भारत के पहले गृह मंत्री तथा लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस

अवसर पर एक क्विज तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें तमन्ना गोस्वामी, काजल यादव, गुंजन, जमरूद मलिक तथा शिवा पीलवान ने कविता तथा भाषण के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर पीयूष त्रिपाठी ने सरदार पटेल के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जम्मू व कश्मीर, जूनागढ़ तथा हैदराबाद रियासत के एकीकरण में सरदार पटेल की भूमिका को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय एकीकरण दिवस के अवसर पर ही महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी का प्रथम वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर शिक्षक संघ ने उन्हें बधाइयां दीं। इस अवसर पर अवसर पर शिक्षक संघ के सचिव डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र तथा अध्यक्ष डॉ महेंद्र कुमार ने कहा कि प्रोफेसर त्यागी के कार्यकाल के पहले वर्ष में महाविद्यालय की अधोसंरचना में सुधार हुआ है।

स्वागत समारोह से अभिभूत प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि पहले वर्ष का कार्यकाल उनके लिए प्रसन्नता, सौहार्द और उपलब्धियों भरा रहा है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में योग्य, अनुभवी और युवा प्राध्यापकों तथा समर्पित तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी सहायकों की टीम मौजूद है जिसमें महाविद्यालय के विजन को पूरा करने की पर्याप्त क्षमताएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से भी इन संभावनाओं का दोहन करने के लिए अपना पूरा प्रयास लगाने की भी प्रेरणा दी।

इस अवसर पर अतुल तोमर, डॉ विनीता गर्ग, डर अवधेश कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, भवनीत सिंह बत्रा, शशि कपूर, डॉ विनय कुमार सिंह, नवीन कुमार, श्याम प्रकाश, अमित कुमार, डॉ हरीश कसना, भूपेंद्र कुमार तथा भारी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

नवंबर

शिक्षक संघ द्वारा महाविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों का अभिनंदन समारोह और श्री गोपाल सिंह राणा के विदाई समारोह का आयोजन

दिनांक 05 नवंबर 2022 को देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर के शिक्षक संघ द्वारा इस सत्र में कार्यभार ग्रहण करने वाले डॉ हरीश कुमार कसाना, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी; शशि कपूर, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र तथा श्याम प्रकाश, असिस्टेंट प्रोफेसर, गणित का अभिनंदन समारोह तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गोपाल सिंह राणा का विदाई समारोह आयोजित किया गया।

शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ महेंद्र कुमार तथा सचिव डॉ पुष्पेंद्र मिश्र द्वारा नवागंतुक शिक्षक साथियों का माला पहना कर नए साथियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि महाविद्यालय में ज्यादातर पदों के भरने से शिक्षण गतिविधियों में तेजी आएगी। डॉ विनीता गर्ग, डॉ अवधेश कुमार सिंह, डॉ विनय कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, पीयूष

त्रिपाठी, भूपेंद्र कुमार आदि ने गोपाल सिंह राणा के साथ अपने संस्मरण को याद किया तथा उन्हें भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर गोपाल सिंह राणा का परिवार तथा संदीप कुमार सिंह, अतुल तोमर, नवीन तोमर, भवनीत सिंह बत्रा अंकित गोयल तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आदिवासी दिवस व बिरसा मुंडा की जयंती पर क्विज़ का आयोजन

दिनांक 16 नवंबर 2022 को देवनागरी महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर में सांस्कृतिक परिषद के तत्त्वावधान में राष्ट्रीय आदिवासी दिवस व बिरसा मुंडा की जयंती पर एक क्विज का आयोजन किया गया जिसमें विशाल, सिमरन, आरती, प्राची खारी, पारुल सागर, निशा सागर, ज्योति रानी, गुड्डन पाल, कुमकुम, खुशी यादव दीपांशी, शिवानी, अलशिफा, अलीबाग, रजिया परवीन, रहनुमा परवीन, नेहा और अंजली की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्विज़ में भारत के आदिवासी इतिहास तथा भूगोल से जुड़े सवाल पूछे गए। तीन राउंड तक चले इस क्विज़ में आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सांयोजक डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र तथा प्रस्तोता पीयूष त्रिपाठी रहे।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो0 योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने दिकुओं के खिलाफ संघर्ष में प्रमुख भूमिका निभाई तथा जल, जंगल और जमीन की हकदारी की पृष्ठभूमि तैयार की।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "द इम्पारटेंस ऑफ़ केमेस्ट्री इन अवर डेली लाइफ" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 16 नवंबर 2022 को देवनागरी महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "द इम्पारटेंस ऑफ़ केमेस्ट्री इन अवर डेली लाइफ" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने किया। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली सभी वस्तुओं में रसायन विज्ञान शामिल है। रसायन विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार सिंह ने कहा कि रसायन विज्ञान का हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बताया कि कोविड 19 महामारी के दौरान रसायन विज्ञान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सेनेटाइजर, वैक्सीन और विभिन्न जीवनोपयोगी वस्तुओं के निर्माण में रसायन विज्ञान के महत्व को रेखांकित किया। राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर पीयूष त्रिपाठी ने खाद्य पदार्थों एवं पेय पदार्थों का उपयोग में रासायनिक तत्त्वों के दुष्प्रभावों को ध्यान रखकर करना चाहिए। डॉ विनीता गर्ग ने रक्त के संचालन में आक्सीजन की भूमिका को समझाया। इस परिचर्चा में छाया चौधरी, मनिका शर्मा, मोनिका यादव, सचिन, विशाल आदि विद्यार्थियों ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर विनीता गर्ग तथा संचालन छात्रा नूपुर कंसल एवं आर्या यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, डॉ अवधेश कुमार सिंह, संदीप कुमार सिंह, नरेश कुमार, श्याम प्रकाश, शशि कपूर, भूपेन्द्र कुमार, गोपाल राणा तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम "दीक्षारम्भ" का शुभारंभ

दिनांक 22 नवंबर 2022 को देवनागरी महाविद्यालय में सांस्कृतिक परिषद तथा आईक्यूएसी के तत्त्वावधान में बीए तथा बीएससी के नव प्रवेशी छात्र छात्राओं के लिए दो दिवसीय विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम दीक्षारंभ का आयोजन महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया।

दीक्षारंभ का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा की जीवन में अनुशासन का अत्यधिक महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षकों से लगातार सीखने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि दीक्षारंभ का उद्देश्य महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देना, नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं जैसे क्रेडिट सिस्टम तथा परीक्षा प्रणाली आदि के बारे में जानकारी देना और विद्यार्थियों को शिक्षा और शिक्षण की प्रक्रिया से जोड़ना है।

दीक्षारंभ के संयोजक डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने स्लाइड शो के माध्यम से महाविद्यालय तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी उन्होंने महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों के विभागों, अभिरुचियों तथा विशेषज्ञताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों की अभिरुचि जांचने के लिए एक क्विज़ भी आयोजित की।

दीक्षारंभ में छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी देते हुए महाविद्यालय में छात्रवृत्ति के प्रभारी भवनीत सिंह बत्रा ने कहा कि महाविद्यालय में छात्रवृत्ति पाने के लिए कम से कम 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी वेबसाइट का लगातार अवलोकन करते रहें। महाविद्यालय से संबंधित समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाती हैं। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा बनाए गए संस्थागत ईमेल का लगातार प्रयोग करने की सलाह दी।

इसके पूर्व कार्यक्रम का आरंभ डॉ विनीता गर्ग द्वारा फीता काटकर किया गया। स्वागत वक्तव्य डॉ अवधेश कुमार सिंह ने दिया। इस अवसर पर डॉ महेंद्र कुमार, अतुल तोमर, पीयूष त्रिपाठी, संदीप कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, डॉ विनय कुमार सिंह, नरेश कुमार, शशि कपूर, डॉ हरीश कुमार कसाना, श्याम प्रकाश, अमित कुमार, मुस्कान, दीपांशु तथा बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

दो दिवसीय विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम "दीक्षारम्भ" का समापन

दिनांक 23 नवंबर 2022 को देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर में सांस्कृतिक परिषद तथा आइक्यूएसी के तत्वावधान में बीए तथा बीएससी के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए दो दिवसीय विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम **"दीक्षारम्भ"** का समापन महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह लौर तथा विशिष्ट अतिथि सुनील गोयल ने सभी विद्यार्थियों को अपने जीवन में तीन मुख्य आदर्श–शिक्षा, संस्कार तथा स्वास्थ्य का पालन करने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे नैतिकता को अपनाकर जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

दीक्षा आरंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य योगेश कुमार त्यागी ने विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ अपने जीवन से जुडी कुछ महत्वपूर्ण बातें बता कर प्रोत्साहित किया। इसके उपरांत दीक्षा आरंभ में आंतरिक व बाहरी परीक्षाओं के बारे में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के परीक्षा प्रभारी हरिदत्त शर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि विश्वविद्यालय से परीक्षा संबंधित सूचना आई है कि मुख्य परीक्षा जनवरी के पहले सप्ताह में होगी। सभी विद्यार्थी अपने विषय कोड का चयन सही ढंग से करे।

अंत में मुख्य अतिथि व प्राचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महेंद्र कुमार ,अतुल तोमर ,संदीप कुमार सिंह , हरिदत्त शर्मा, विनय कुमार, नरेश कुमार ,शशि कपूर ,डॉ हरीश कुमार कसाना ,श्याम प्रकाश ,अमित कुमार, दीपांशु, मुस्कान तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन

दिनांक 25 नवंबर 2022 को देवनागरी महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक दिवसीय सांप्रदायिक सद्भाव की थीम पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर बीए प्रथम वर्ष तथा बीए तृतीय वर्ष के छात्र छात्राओं द्वारा सांप्रदायिक सद्भाव की थीम पर नाटक प्रस्तुत किए गए। इसमें सांप्रदायिक दंगा, हिंदू मुस्लिम एकता, सांप्रदायिक सद्भाव एवं सहिष्णुता की थीम पर आधारित नाटक का मंचन किया गया।

इसके साथ ही साम्प्रदायिक सौहार्द पर आधारित एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सबिका हाशमी ने प्रथम स्थान, कनिका ने द्वितीय स्थान तथा खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा पेशे से बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मोहम्मद गुलहसन सैफी ने कहा कि हमें

सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने के लिए समाज के लिए हमेशा उपलब्ध रहना चाहिए तथा उनको समाज के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित करनी चाहिए।

अपने संदेश में प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि नैतिक मूल्यों का विकास करके ही हम साम्प्रदायिक सद्भाव कायम कर सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन काजल यादव,स्वागत डॉ हरीश कुमार कसाना तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ अवधेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ महेंद्र कुमार ने की।

इस अवसर विशिष्ट अतिथि डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, पीयूष त्रिपाठी, डॉ विनय कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, श्याम प्रकाश, नवीन कुमार, नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर संगोष्ठी और क्विज़ का आयोजन

दिनांक 26 नवंबर 2022 को देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी में संविधान दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी तथा क्विज का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को डीएवी कॉलेज बुलंदशहर के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर प्रवीण कुमार ने संबोधित किया। प्रवीण कुमार ने अपने संबोधन में संविधान सभा के गठन, संविधान में लिखित आदर्श, मौलिक अधिकार, मूल कर्तव्य, निर्वाचन आयोग, जनहित याचिका और लोकपाल सहित वर्तमान राजनीति के प्रमुख मुद्दों को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमार ने संविधान निर्माण में भीमराव अंबेडकर जी के योगदान की प्रशंसा की। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने दूरभाष के माध्यम से प्रेषित अपने संदेश में संविधान के आदर्शों और लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय में भारतीय संविधान पर एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 10-10 विद्यार्थियों के 10 समूहों ने सहभागिता की। इस क्विज में मोनिका यादव समूह ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस क्विज में श्री कृष्ण कुमार, श्री हरिदत्त शर्मा तथा डॉ विनय कुमार सिंह ने स्कोरर की भूमिका का निर्वहन किया। क्विज़ से बड़ी संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित हुए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. विनीता गर्ग, श्री हरिदत्त शर्मा, श्री नवीन तोमर, डॉ. विनय कुमार सिंह, श्री कृष्ण कुमार, श्री नरेश कुमार ,श्री श्याम प्रकाश और अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिसंबर

विश्व कंप्युटर साक्षरता दिवस मनाया गया

दिनांक 02 दिसंबर 2022 को डी. एन. कॉलेज गुलावठी बुलंदशहर में 'विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस ' मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने की। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो योगेश कुमार ने वर्तमान समय में कंप्यूटर के ज्ञान की नितांत आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर द्वारा आज समस्त विश्व एक प्लेटफार्म पर आ गया है । जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कंप्यूटर का महत्व है । शिक्षा, सेवा,रोजगार,व्यापार,अनुसंधान,रक्षा क्षेत्र आदि सभी में

कंप्यूटर समान रूप से उपयोगी है।कंप्यूटर का क्षेत्र अपरिमित है।सरकार भी कंप्यूटर के ज्ञान एवम् उपयोग हेतु विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने सभागार में उपस्थित सभी को कंप्यूटर साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के संयोजक कॉलेज के मुख्य नियंता तथा भौतिक विज्ञान विभाग अध्यक्ष प्रो. नरेश कुमार ने कंप्यूटर के प्रयोग के विविध क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। बताया कि विभिन्न अनुसंधान के केंद्र में कंप्यूटर के योगदान की चर्चा की । कंप्यूटर के आरंभ से अंत तक के क्रमिक विकास को बताया । बताया कि दिनांक 02.12.2001 को महिला तथा बच्चों के मध्य कंप्यूटर साक्षरता को बढ़ाने के लिए भारतीय मल्टीनेशनल कंपनी NIIT ने वर्ल्ड कंप्यूटर साक्षरता दिवस मनाने का आरंभ किया। कंप्यूटर साक्षरता से होने वाले विविध लाभों को बताया तथा कहा कि कंप्यूटर साक्षरता से रोजगार सृजन होगा तथा कार्यों में गुणवत्ता आएगी।

कॉलेज के प्रो. विनय कुमार सिंह ने बताया कि कंप्यूटर संपूर्ण विश्व का ज्ञान कराता है। कंप्यूटर के आने से शोध क्षेत्रों तथा विषयों को विस्तार मिला है। विज्ञान,चिकित्सा,शिक्षा,उद्योग,प्रौद्योगिकी,व्यापार आदि सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का योगदान है। कंप्यूटर के द्वारा जीवन सरल हो गया है। प्रो. हरीश कसाना ने कहा कि वर्तमान में कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। आज के युग में प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक कंप्यूटर ज्ञान अतिआवस्यक है। कंप्यूटर साक्षरता के विविध पाठ्यक्रम सरकार द्वारा विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से संचालित हैं। कंप्यूटर का लघु रूप मोबाइल है जिसके बिना जीवन निष्प्राण जान पड़ता है।

कार्यक्रम में बी. एससी. द्वितीय वर्ष से कृतिका चौधरी व प्रिया तथा बी. एससी. प्रथम वर्ष से गरिमा दीक्षित व दीपांशी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मंच का संचालन बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमकुम तथा प्रज्ञा कंसल ने किया। कार्यक्रम में डॉ विनीता गर्ग,प्रो.अतुल तोमर, प्रो. महेंद्र कुमार,प्रो. पी के मिश्र,प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. पीयूष त्रिपाठी,प्रो. हरिदत्त शर्मा,प्रो. संदीप सिंह,प्रो. भवनीत बत्रा,प्रो. कृष्ण कुमार,प्रो. नवीन तोमर,प्रो. शशि कपूर,प्रो. श्याम प्रकाश,सहायक शिक्षक दीपांशु तथा बी. एससी. एवम बी. ए. के छात्र उपस्थित रहे

"कौटिल्य के आर्थिक विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 08 दिसंबर 2022 को देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी, बुलंदशहर में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "कौटिल्य के आर्थिक विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता" विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो0 योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि प्राचीन भारत के राजशास्त्रियों में कौटिल्य का स्थान सबसे ऊँचा है और उसे शासन, कला तथा कूटनीति का सबसे महान् प्रतिपादक माना जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य हरिदत्त शर्मा ने कहा कि कौटिल्य के आर्थिक विचारों एक लोक कल्याणकारी राज्य के दर्शन के अनुरूप हैं। राजा द्वारा लिए जाने वाले करों के संबंध में कौटिल्य ने कहा है कि राजा को जनता से उसी प्रकार कर लेना चाहिए जिस प्रकार सूरज पृथ्वी से जलवाष्प लेकर वर्षा करता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य कृष्ण कुमार ने कहा कि कौटिल्य ने अपराधों के लिए कठोर दंड का प्रावधान किया था।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि कौटिल्य के सप्तांग सिद्धान्त में 'कोष' शब्द का संबंध मजबूत राजकोष व अर्थव्यवस्था से है। बिना मजबूत राजकोष के विजगीषु अपने राज्यक्षेत्र का विस्तार नहीं कर सकता।

विशिष्ट अतिथि शशि कपूर ने कहा कि अर्थशास्त्र में अर्थ का अभिप्राय भूमि से है।वास्तव में अर्थशास्त्र भूमि के प्रबंधन का संपूर्ण दस्तावेज है।

व्याख्यानमाला के संयोजक अर्थशास्त्र विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर भवनीत सिंह बत्रा ने कहा कि इस शृंखला का अगला व्याख्यान डॉ भीमराव आंबेडकर के आर्थिक विचार विषय पर 9 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर महेंद्र कुमार, विनीता, संदीप कुमार सिंह, नवीन तोमर,हरीश कुमार कसाना, शशि कपूर, अमित कुमार तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

"डॉ. अंबेडकर के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 09 दिसंबर 2022 को देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी ,बुलंदशहर में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "डॉ.अंबेडकर के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता "विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो0 योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि डॉ आंबेडकर सामाजिक न्याय तथा आर्थिक समानता के पक्षधर थे। उन्होंने महिलाओं तथा वंचित समूहों को समाज की मुक्ति के लिए शिक्षा पर जोर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य शशि कपूर ने समाज में होने वाली सभी घटनाओं एवं उनसे संबंधित सभी क्षेत्रों में डॉ अंबेडकर के विचार और कार्यों का व्याख्यान किया। विशिष्ट अतिथि कृष्ण कुमार ने बताया कि अंबेडकर ने गरीब महिलाओं और दलितों के लिए सर्वाधिक काम किया। विशिष्ट अतिथि डॉ विनीता ने जाति प्रथा को अभिशाप बताया और कहा कि यह व्यवस्था समाज को खोखला करती है। विशिष्ट अतिथि डॉ महेंद्र कुमार ने कहा कि अंबेडकर की रचनाएं विश्व की सभी पुस्तकालयों में उपलब्ध है।

विशिष्ट अतिथि हिंदी विभाग के सहायक आचार्य प्रो हरीश कसाना ने कहा कि डॉ अंबेडकर एक ऐसे व्यक्ति थे जो

मरणोपरांत भी हम सबके बीच जीवित हैं। उनके कार्य उनके विचार हम सब को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करते हैं।

व्याख्यानमाला के संयोजक अर्थशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री भवनीत सिंह बत्रा ने सभी शिक्षक साथियों एवं छात्रों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर पीयूष त्रिपाठी, संदीप कुमार सिंह, नरेश कुमार, नवीन तोमर,अमित कुमार, एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष में राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

दिनांक 11 दिसंबर 2022 को भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष में डीएन कॉलेज गुलावठी के हिंदी विभाग द्वारा एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया । वेबिनार की अध्यक्षता कालेज प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने की । वेबीनार के मुख्य अतिथि कॉलेज के राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर पीयूष त्रिपाठी तथा मुख्य वक्ता डीएवी कॉलेज बुलंदशहर के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर संतोष कुमार यादव रहे। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्राचार्य प्रोफेसर योगेश त्यागी ने कहा की समस्त भारतीय भाषाएं भाषाई सद्भाव की स्थापना करती है। भाषाएं सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को संजो कर रखती हैं ।किसी भी जाति का इतिहास उसकी भाषा के द्वारा जाना जा सकता है। यदि किसी जाति के इतिहास को समाप्त करना है तो सबसे पहले उसकी भाषा को समाप्त किया जाता है। हमारी सरकार का पूरा पूरा प्रयास है कि भारत की समस्तओ भाषा तथा लोक भाषाओं को संरक्षित किया जाए जिससे कि स्वस्थ एवं प्रगतिशील समाज की स्थापना हो सके । भारत एक बहुभाषी देश है यह अनेकता में एकता का संवाहक है । भारत की यही विशेषता उसे विश्व में अनूठा बनाती है।

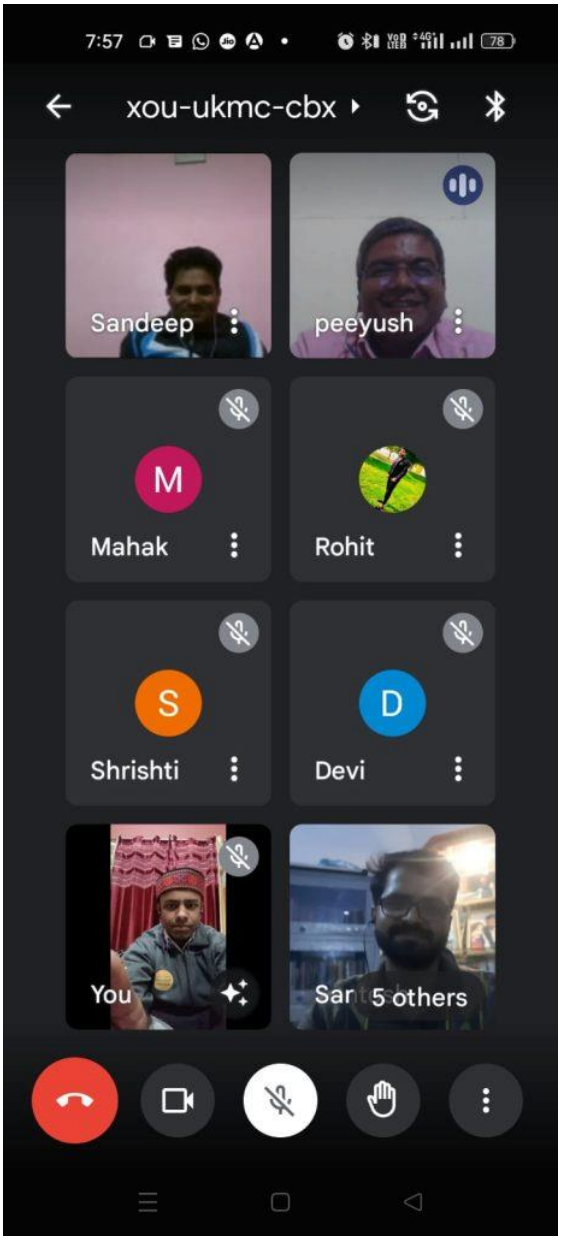

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर संतोष कुमार यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत देश बहुभाषी देश है । भारतीयता की अवधारणा में भारतीय भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान है । विश्व की समस्त भाषाएं अनमोल हैं। भाषाएं सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता का मूल होती है । समस्त भाषाएं मिलकर भारतीयता का निर्माण करती हैं। पूर्व में भाषाएं राजनीति का शिकार भी हुई है । भाषा का राजनीतिकरण प्रगतिशील राष्ट्र निर्माण में बाधक होता है । सभी भाषाओं का संरक्षण नितांत आवश्यक है। जिससे कि भाषा की अस्मिता को बचाया जा सके।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्रोफ़ेसर पीयूष त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें भाषाओं के प्रति उदार होने की आवश्यकता है। भाषाओं का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए । यह भविष्य के लिए घातक होता है। भारत में भाषा की दृष्टि से भी अनेकता में एकता है । भाषाई शब्द का अर्थ संदर्भगत होता है । हमें भाषाओं को थोपना नहीं है । भाषा को बहुसंख्यक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए । हम सभी को अपनी भाषा से इत्तर एक अन्य भाषा सीखने का प्रयास अवश्य करना चाहिए । जिससे संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है तथा एक स्वस्थ, सुंदर और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण होता है।

आभाषीय गोष्ठी का संचालन महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर संदीप कुमार सिंह ने किया तथा अपने विचारों से उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन किया अपने वक्तव्य में प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि प्रतिवर्ष 11 दिसंबर को तमिल महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष में भारतीय भाषा दिवस मनाया जाता है । महाकवि सुब्रमण्यम भारती तमिल भाषा के सुप्रसिद्ध साहित्यकार रहे हैं । सुब्रमण्यम भारती ने उत्तर तथा दक्षिण भारत के मध्य भाषाई सेतु बनाने के महत्वपूर्ण एवं दुष्कर कार्य को सफल करने हेतु सदैव प्रयास किए ।

राष्ट्रीय वेबीनार के सफल आयोजन के संदर्भ में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के प्रोफेसर हरीश कसाना ने दिया । मुख्य अतिथि , मुख्य वक्ता तथा आभाषीय गोष्ठी के अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रोफेसर हरीश कसाना ने कहा कि भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष में आयोजित की गई यह गोष्ठी छात्र हित को ध्यान में रखकर आयोजित की गई । निसंदेह महाविद्यालय के छात्र इस गोष्ठी के द्वारा भारत देश की भाषायी स्थिति को जानने एवं समझने के प्रति अग्रसर होंगे । गोष्ठी में 30 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर संचालित किए जाते हैं जिससे छात्रों को विविध प्रकार से विशिष्ट वक्ताओं, प्रोफेसरों के तथ्यात्मक एवं शोध परक विचारों से अधिक से अधिक लाभ मिल सके । महाविद्यालय के लिए छात्र हित सर्वोपरि है तथा इस कथन की पूर्णता एवं सिद्धि के लिए महाविद्यालय के सभी प्रोफेसर पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ संलग्न हैं।

राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर वेबीनार का आयोजन

दिनांक 23 दिसंबर, 2022 को किसान दिवस के शुभ अवसर पर देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 योगेश कुमार त्यागी चौधरी चरण सिंह द्वारा किसानों के हित में किये गए कार्यों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना सर्वस्व जीवन समर्पित कर दिया।

वेबिनार के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह राजकीय महाविद्यालय, छपरौली के प्राचार्य प्रो0 प्रतीत कुमार ने बताया कि उनका जन्म एक मध्यवर्गीय किसान परिवार में हुआ था। ब्रिटिश काल में भूमि संबंधी बने क़ानूनों की विसंगतियों को प्रत्यक्ष रूप से देख चुके थे। उनके पिता को भी उनकी भूमि से बेदखल कर दिया गया था। उन्होंने उनके द्वारा किए गए गए कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि अप्रैल 1939 में इनके द्वारा बनाये गए लैण्ड यूटिलाइजेशन एक्ट जमीदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार कार्यक्रमों में सहायक सिद्ध हुआ। इनके सहयोग से ही विलेज एक्ट बना जिसके आधार पर किसान एवं मजदूर जिस भूखण्ड पर रहते थे रहते थे, वे उसके स्वामी बने। जबकि पहले उस भूखण्ड का स्वामी जमीदार होता था। किसानों की जमीन में पटवारियों की भूमिका को समाप्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जमीदारी प्रथा एवं भूमि सुधार संबंधी अनेक पुस्तकें भी लिखीं। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के

असिस्टेंट प्रोफेसर नवीन तोमर ने तथा डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, पीयूष त्रिपाठी, डॉ. मोनू सिंह, संदीप कुमार सिंह, भवनीत सिंह बत्रा,हरिदत्त शर्मा, डॉ. विनीता, डॉ. महेंद्र कुमार, डॉ. हरीश कुमार कसाना, विनय कुमार सिंह, कृष्ण कुमार, शशि कपूर, अमित कुमार तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन जागरूकता कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 28 दिसंबर, 2022 को देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी के राजनीति विज्ञान विभाग एवं सांस्कृतिक परिषद द्वारा एक ऑनलाइन जागरूकता कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत द्वारा जी-20 समूह का नेतृत्व किए जाने, जल संरक्षण तथा नदी बचाओ आदि मुद्दों पर पर परिचर्चा की गई।

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग तथा प्रयोजनमूलक अनुसंधान पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा गुलावठी क्षेत्र को जल प्रदूषण से मुक्त किए जाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य किए जाने हेतु कार्य योजना तैयार करने पर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा जल संरक्षण तथा नदी बचाओ अभियान में भाग लेने हेतु अपनी सहमति प्रदान की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने जी-20 समूह का भारत द्वारा नेतृत्व किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रोफ़ेसर योगेश कुमार त्यागी ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के माध्यम से अपने सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति हेतु अलख जगाने का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अवधेश कुमार सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों से विद्यार्थियों का परिचय कराया। आइक्यूएसी प्रभारी पीयूष त्रिपाठी ने महाविद्यालय द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों को शैक्षणिक गुणवत्ता का एक अंग बताया। सांस्कृतिक परिषद के मुख्य संयोजक पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने जल संरक्षण तथा नदी बचाओ कार्यक्रम का रोड मैप विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया तथा जी-20 के गठन और उसकी कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों का परिचय कराया।

इस अवसर पर हरिदत्त शर्मा, संदीप कुमार सिंह, भवनीत सिंह बत्रा, डॉ विनय कुमार सिंह, नरेश कुमार, कृष्ण कुमार, नवीन तोमर, डॉ हरीश कसाना, श्याम प्रकाश, शशि कपूर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

गुरु गोविंद सिंह जयंती के अवसर पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

दिनांक 30 दिसंबर, 2022 को देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी के हिंदी विभाग द्वारा आज सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में भवनीत सिंह बत्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग सम्मिलित हुए जबकि डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर योगेश त्यागी ने अध्यक्षीय संबोधन द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता भवनीत सिंह बत्रा ने श्रोताओं को गुरु गोविंद सिंह के जीवन की प्रमुख घटनाओं और उनकी शिक्षाओं से परिचय कराया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने गुरु गोविंद सिंह को संत, विचारक, लेखक, सैनिक तथा संपूर्ण व्यक्तित्व की संज्ञा दी। डॉ विनय कुमार सिंह ने अतिथियों

का परिचय दिया। जबकि डॉ अवधेश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। डॉक्टर महेंद्र कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के संयोजक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि विभिन्न महापुरुषों से जुड़ी महत्वपूर्ण तिथियों पर इस प्रकार के और वेबीनार कराने की विभाग की योजना है। इस अवसर पर विनीता गर्ग, पीयूष त्रिपाठी, नवीन तोमर, डॉ हरीश कसाना, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, हरिदत्त शर्मा, श्याम प्रकाश, शशि कपूर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

****

ABOUT THE COLLEGE

Since its inception in 1966, the college is the oldest institute catering to the higher educational needs of Gulaothi in Bulandshahr district of Uttar Pradesh and its surrounding area. The college is located about 90 kilometers from National Capital Territory of Delhi. It runs Bachelor's Degree Courses in Arts and Sciences and M.A. in Economics-Self Finance. The alumni of the college are placed in various reputed academic and administrative posts across the length and breadth of India. The college has been playing an instrumental role in bringing about major positive changes in the life of college students, residents in the rural catchment area and the society at large in the hinterlands of Western Uttar Pradesh.

The college aims to create human resources that can keep pace with the changing global conditions and provide leadership. With effect from the academic session 2021-2022, the college is implementing courses based on 'Choice Based Credit System' according to the 'New Education Policy, 2020. In the new education policy, additional emphasis has been laid on practical aspects and skill development. To take advantage of these opportunities, the college has a team of qualified and experienced professors. Various activities are organized throughout the year in the college to develop the management and leadership skills of students through learner-centered activities. In order to fulfil its social obligations, the college also aims to empower the most vulnerable sections of the society.

https://dnpgcollege.ac.in/newsletter

Contact

Devanagari Post Graduate College
Meerut Road, Near Sikandrabad Bus Stand
Gulaothi, Distt. Bulandshahr (U.P.) – 203408

Phone: +91-853-298-2628

Email: dnpgcgulaothi@gmail.com

Google Map Location: https://goo.gl/maps/JUmeTjymETudMEp77